ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:06.08.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-08-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	07/08/2024	08/08/2024	09/08/2024	10/08/2024	11/08/2024
वर्षा (मीमी)	30.0	20.0	10.0	15.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	31.0	33.0	33.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	26.0	27.0	27.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	95	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	50	50	50	55	55
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	16	17	14	16	18
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	90	130	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (30 जुलाई से 05 अगस्त), इस क्षेत्र में 110.0 मिमी वर्षा हुई, जिसमें अधिकतम न्यूनतम तापमान क्रमश: 30.0 से 36.5oC और 23.9 से 28.4oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमश: 79-98% और 61-97% के बीच थी, जबकि पूर्व, दक्षिण, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पश्चिम और पूर्व-उत्तर-पूर्व से 2.4-7.6 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चली। पिछले सप्ताह कुछ दिन बारिश के दिन थे। आगामी पूर्वानुमान से पता चलता है कि 6-10 अगस्त के बीच 10-30 मिमी की हल्की से मध्यम वर्षा होगी और अधिकतम न्यूनतम तापमान क्रमश: 31.0-34.0oC और 25.0-27.0oC के बीच भिन्न होने की संभावना है। 14-18 किमी प्रति घंटे की गति से पूर्व, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की उम्मीद है। 6 और 7 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर, 8 अगस्त को कुछ स्थानों पर और 9 और 10 अगस्त को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 7, 9 और 10 अगस्त के लिए अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश/आंधी के साथ बिजली/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश होने के बारे में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.35 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 02.08.2024 से 08.08.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आंधी/बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की उम्मीद है, इसलिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और तदनुसार छिड़काव कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	अंकुर की वृद्धि	उर्वरकों और खरपतवारनाशकों को साफ मौसम की स्थिति में प्रत्यारोपित चावल के खेतों में उपयोग किया जा सकता है। चावल के खेत की निराई 20 से 40 दिनों के अंतराल पर करनी चाहिए। यदि श्रम उपलब्ध नहीं है, तो ब्यूटाक्लोर 50 ई.सी. , 3 लीटर प्रति हेक्टेयर/ एनिलोफोस 30 ई.सी. , 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर/ प्रेटिलाक्लोर 50 ई.सी. , 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर प्रति लीटर पानी की दर से रोपाई के 3 दिन के अंदर डाला जा सकता है। सभी रासायनिक अनुप्रयोगों को उपयुक्त नमी की स्थिति में किया जाना चाहिए। खेत में पानी की कमी होने के 1-2 दिनों के बाद, सिंचाई करें और पानी का स्तर 5-7 सेंटीमीटर तक रखें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	जलभराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए तथा गन्ने की जड़ों में पर्याप्त मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए। जब फसल की बढ़वार अच्छी हो जाए तो उसे 5 फीट की ऊंचाई पर बांध देना चाहिए।
खरीफ मक्का	अंकुरण/ वानस्पतिक	मक्का फसल की विलंबित बुआई अगस्त के प्रथम सप्ताह तक की जा सकती है। जून में बोई गई मक्का के लिए कम से कम दो बार निराई-गुड़ाई की जरूरत होती है, पहली 20 दिनों के अंतराल पर और दूसरा 35 दिन के अंतराल पर। मक्का के 2 फीट लंबा हो जाने पर यूरिया की टॉपड्रेसिंग करें। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रानीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। रासायनिक छिड़काव और कृषि कार्य, पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूंग/उर्द	बुवाई	तराई-भावर एवं मैदानी छेत्रों में जहाँ पानी जमाव की समस्या न हो वहा मूंग/उर्द की बुवाई अगस्त के पहले हफ्ते तक करी जा सकती है। भरपूर उत्पादन हेतु जैव नियंत्रक ट्रा इकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम/कि. ग्रा. बीज से उपचारित बीजो का प्रयोग करें। इसके साथ साथ बीजो का जैव उर्वकों जैसे राइजोबियम एवं पी. एस. बी. की लगभग 200 ग्राम /10 कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें।बुवाई कार्य तब करना चाहिए जब खेत में पर्याप्त नमी हो इसलिए पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए बुवाई का कार्य करना चाहिए।
मूंगफली	वानस्पतिक	मूंगफली में बुवाई के 15 -20 दिनों के अंतराल पे निराई कर लेनी चाहिए और खरपवारों को रासायनिक विधि से नष्ट करने के लियेलिए पेंडीमिथलीन 30 ई. सी., 3. 3 ली. या एलाक्लोर 50 ई. सी. की 4 ली. मात्रा को 500 -700 लीटर पानी मे घोलकर बुवाई के

		बाद और खरपतवारों के जमाव से पूर्व छिड़कना चाहिए। कोई भी रासायनिक छिड़काव पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
तिल	बुवाई	बुवाई 3-4 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से करनी चाहिए। बीज जनित रोगों को रोकने के लिए बीजों को 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से थाईराम या कैप्टन में उपचारित करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	वानस्पतिक/ फल बनना	किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/ लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।
गोभी	युवा पौध	रोपी गई फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
कद्दु वर्गीय फसलों	तुड़ाई करना/फल बनना	कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	जुलाई का महीना प्रसव का है तो पशु के प्रसव के समय उनपर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। बरसात के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2 -3 बार सफाई करनी चाहिए।
बकरी/ भेड़	छोटे रोमन्थी पशुओं, जैसे भेड़, बकरी एवं नवजात गो वत्स को बरसात के दिनों मे भीगने से बचाना चाहिए ताकि उनको सर्दी/ जुकाम/न्यूमोनिया नामक बीमारी न हों।